विकलांग मंच

विकलांग समुदाय का मार्गदर्शक पाक्षिक

वर्ष : 30 अंक: 9	जयपुर 1 नवम्बर, 2015	RNI No.: 46429/86 Po.Regn.No.:Jaipur City/207/2015-17	वार्षिक शुल्क: 50/- प्रति मूल्य: 2.50

विकलांग मंच के आजीवन/वार्षिक सदस्य बनें एवं दूसरों को भी इसके सदस्य बनने की प्रेरणा दें

विकलांग मंच

8/141, मालवीय नगर, जयपुर-302017

फोन:0141-2547156, 9351960369,9352320013, फैक्स:0141-4036350

E-Mail:vicklangmanch@ymail.com E-Mail:vicklangmanch@gmail.com

अपने वतन लौटी गीता

नयी दिल्ली। करीब डेढ़ दशक पहले धोखे से सरहद पार करके पाकिस्तान चली गयी गीता ने स्वदेश लौटने के बाद यहां प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से भेंट की। मोदी ने ईधी फाउंडेशन की संस्थापक बिल्कीस बानो ईधी को उनकी जन्मभूमि गुजरात में जूनागढ़ जिले के बांटवा गाँव परिवार सहित आने का न्योता भी दिया।

आधिकारिक सूत्रों के अनुसार शाम को मोदी के बिहार के चुनाव प्रचार से लौटने के बाद गीता विदेश मंत्री सुषमा स्वराज के साथ सात रेसकोर्स रोड स्थित प्रधानमंत्री निवास पहुँची। श्रीमती ईधी एवं उनके परिवार के सदस्य भी इस मौके पर साथ में थे।

प्रधानमंत्री ने गीता के सिर पर हाथ रख आशीर्वाद दिया तो वह भावुक होकर उनके बाजुओं से लिपट गयी। मोदी ने कहा कि घर वापसी पर स्वागत है गीता। उन्होंने आश्वासन दिया कि गीता के परिवार का पता लगाने के लिये हर संभव प्रयास किया जाएगा और उसकी अच्छी तरह से देखभाल की जाएगी। मोदी ने कहा कि पूरा भारत तुम्हारी देखभाल करेगा।

मोदी ने गीता को इतने वर्षों तक बहुत प्यार दुलार से रखने के लिये श्रीमती ईधी की सराहना की।

बातचीत में मोदी को जब पता चला कि श्रीमती ईधी का जन्म जूनागढ़ जिले के बांटवा गाँव में हुआ था तो उन्होंने उन्हें सपरिवार गुजरात आने के लिये निमंत्रित किया। बाद में मोदी ने ट्विटर पर कहा कि उन्हें गीता के साथ कुछ वक्त गुज़ार कर अच्छा लगा। उन्होंने कहा कि गीता की देखभाल के लिये ईधी परिवार को शुक्रिया अदा करने के लिये शब्द नहीं हैं। वे करुणा एवं प्रेम की मूर्ति हैं। ईधी परिवार ने जो किया उसकी कोई कीमत नहीं आँकी जा सकती है।

एक जनवरी से समाप्त हो जायेगा साक्षात्कारः मोदी

नयी दिल्ली। केंद्र सरकार के ग्रुप 'डी', ग्रुप 'सी' और ग्रुप 'बी' के गैर राजपत्रित पदों पर भर्ती के लिए एक जनवरी 2016 से साक्षात्कार नहीं होगा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आकाशवाणी पर प्रसारित अपने मासिक कार्यक्रम 'मन की बात' में यह जानकारी देते हुये कहा कि सरकार ने सारी प्रक्रिया पूरी कर ली है और अब एक जनवरी, 2016 यह लागू हो जायेगा। अभी जहाँ प्रक्रिया चल रही है, उसमें कोई रुकावट नहीं आयेगी लेकिन एक जनवरी से यह लागू हो जायेगा।

मोदी ने कहा कि मैंने 15 अगस्त को लाल किले से ये कहा था कि कुछ क्षेत्र हैं, जहाँ भ्रष्टाचार घर कर गया है। ग़रीब व्यक्ति जब छोटी-छोटी नौकरी के लिए जाता है, किसी की सिफ़ारिश के लिए पता नहीं उसे क्या-क्या कष्ट झेलने पड़ते हैं और दलालों की टोली कैसे-कैसे उनसे रुपये हड़प लेती है। नौकरी मिले तो भी रुपये जाते हैं, नौकरी न मिले तो भी रुपये जाते हैं। सारी ख़बरें हम सुनते थे। और उसी में से मेरे मन में एक विचार आया था कि छोटी-छोटी नौकरियों के लिए साक्षात्कार की क्या ज़रूरत है। मैंने तो कभी सुना नहीं है कि दुनिया में कोई ऐसा मनोवैज्ञानिक है जो एक मिनट, दो मिनट के साक्षात्कार में किसी व्यक्ति को पूरी तरह जाँच लेता है। इसी विचार से मैंने घोषणा की थी कि क्यों न ये निचले पद की नौकरियाँ है, वहाँ पर, साक्षात्कार की परम्परा ख़त्म करें।

मूक-बधिर खिलाड़ियों के साथ दुर्व्यवहार पर नोटिस

नयी दिल्ली। राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग ने चीन में खेलने गये भारत के मूक -बधिर खिलाड़ियों के साथ होटल में दुर्व्यवहार के मामले में युवा और खेल मंत्रालय को नोटिस जारी किया है। आयोग ने मीडिया में आई रिपोर्ट का संज्ञान लेते हुए कहा है कि यदि यह रिपोर्ट सही है तो यह इन खिलाड़ियों के मानवाधिकारों का उल्लंघन है। मंत्रालय के सचिव को नोटिस जारी करके चार सप्ताह में घटना की विस्तार से रिपोर्ट देने को कहा है। रिपोर्ट के अनुसार होटल का बिल चुकता नहीं होने के कारण इन खिलाड़ियों के पासपोर्ट छीन लिये गये थे। इसके अलावा इनके साथ दिल्ली में भी उचित व्यवहार नहीं हुआ था और उन्हें फुटपाथ पर रात बितानी पड़ी थी।

मोदी ने लोगों से की अंगदान की अपील

नयी दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देशवासियों से अंगदान करने का आह्वान करते हुए कहा कि 'अंगदान महादान' है और इसे एक वृति और प्रवृति बनना चाहिए ताकि कई लोगों के जीवन में उजाला लाया जा सके।

मोदी ने आकाशवाणी पर अपने मासिक कार्यक्रम 'मन की बात' में कहा कि देश में प्रतिवर्ष प्रत्यारोपण के लिए ढाई लाख से भी अधिक गुर्दे, दिल और लीवर की जरूरत है। लेकिन सवा सौ करोड़ के देश में हम सिर्फ पाँच हज़ार प्रत्यारोपण ही कर पाते हैं। हर साल एक लाख आँखों की रोशनी की जरूरत होती है और हम सिर्फ़ पच्चीस हज़ार तक पहुँच पाते हैं। चार आँखों की जरूरत हो, हम सिर्फ एक दे पाते हैं।

प्रधानमंत्री ने केरल में कोच्चि स्थित सेंट मेरी अपर प्राइमरी स्कूल की छात्राओं के एक पत्र का उल्लेख करते हुए कहा कि इसमें बालिकाओं ने अपने अंगूठे के निशान से भारत-माता का एक चित्र बनाया है, बहुत बड़े कपड़े पर। उन्होंने कहा कि पहले मैं हैरान था कि उन्होंने अपने अंगूठे के निशान से भारत का नक्शा क्यों बनाया। लेकिन मैंने जब उनका पत्र पढ़ा तो मुझे समझ आया कि उन्होंने कितना बढ़िया सांकेतिक संदेश दिया है। ये वो बालिकायें हैं जिन्होंने न सिर्फ प्रधानमंत्री को जागृत करने का प्रयास किया है, बल्कि वे अपने क्षेत्र में भी लोगों को जागरूक करने का प्रयास कर रही हैं और उनका मिशन है 'अंगदान'।

उन्होंने कहा कि ये बालिकाएं अंगदान के लिए जन-जागरूकता अभियान चला रही हैं। उन्होंने अनेक स्थानों पर जा कर नाट्य मंचन भी किये हैं, ताकि लोगों में अंगदान की समझ फैले। अंगदान एक वृति और प्रवृति बने। इन बालिकाओं ने मुझसे अंगदान के विषय में लोगों से अपील करने को कहा है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि महाराष्ट्र के करीब 80 वर्षीय वसंतराव सुड़के गुरुजी अंगदान को लेकर एक आंदोलन चला रहे हैं। वो कहते हैं अंगदान को एक उत्सव बनाना चाहिये। इन दिनों मुझे फोन कॉल पर भी इस विषय में संदेश आते हैं। यह विषय काफी महत्वपूर्ण है। सड़क दुर्घटना में मृत्यु होने पर शरीर के अंगों को दान किया जा सकता है। कुछ कानूनी उलझनें भी बहुत हैं। राज्यों को भी इस दिशा में मार्गदर्शन करने का प्रयास हुआ है।

उन्होंने कहा कि कुछ राज्यों ने कागजी कार्रवाई कम करके इसमें गति लाने का काफी अच्छा प्रयास किया है। अंगदान के क्षेत्र में तमिलनाडु अग्रिम पंक्ति में है। कई सामाजिक संस्थाएँ, कई स्वयंसेवी संगठन बहुत ही अच्छा काम इस दिशा में कर रहे हैं। अंग प्रत्यारोपण को बढ़ावा देने के लिए राष्ट्रीय अंग एवं ऊतक प्रत्यारोपण संगठन की स्थापना की गई है। चौबीस घंटे काम करने वाली एक हेल्पलाइन भी उपलब्ध है। और हमारे यहाँ तो यह कहा गया है 'तेन त्यक्तेन भुंजीथा' त्याग करने का जो आनंद होता है, उसका बहुत उत्तम वर्णन 'तेन त्यक्तेन भुंजीथा' मंत्र में है। प्रधानमंत्री ने कहा कि पिछले दिनों हम सबने टीवी पर देखा था कि दिल्ली के जी.बी. पन्त अस्पताल में एक गरीब ठेलेवाले की पत्नी का लीवर प्रत्यारोपण किया गया। इसका विशेष इंतजाम करके लखनऊ से दिल्ली लाया गया था और ऑपरेशन सफल रहा। एक ज़िंदगी बच गयी। उन्होंने कहा, ''अंगदान महादान। 'तेन त्यक्तेन भुंजीथा' इस भाव को हम चरितार्थ करें और इस बात पर हम अवश्य बल दें।''

विचार मंच

रहिमन धागा प्रेम का, मत तोड़ो चटकाय।
टूटे से फिर ना जुड़े, जुड़े गाँठ परि जाय॥

अर्थ: प्रेम के धागे को कभी तोड़ना नहीं चाहिए क्योंकि यह यदि एक बार टूट जाता है तो फिर दुबारा नहीं जुड़ता है और यदि जुड़ता भी है तो गांठ तो पड़ ही जाती है। **-रहीम जी**

विकलांगता के भयावह होते कारण

यह स्थिति समाज के विकास में बड़ी बाधा है। वैसे विकलांगता के कुछ कारणों का प्रभाव घटा है पर चिंता का विषय यह है कि अनेक का बढ़ा भी है। नेत्रहीनता में हालांकि कमी आई है। देश में पहले नेत्रहीनता का प्रतिशत 1.4 था जो घटकर 0.3 रह गया है। पर जो लोग नेत्रहीन या अल्प दृष्टिवान हो चुके हैं उनके लिए शिक्षा, रोजगार आदि की दिशा में और अधिकाधिक प्रयास करने की आवश्यकता है। इसी तरह कुष्ठ रोग की उत्पत्ति रोकने व इसके निवारण के प्रयासों में भी सफलता मिली है। देश के 28 राज्यों में दस हजार आबादी पर एक से कम कुष्ठ रोगियों की संख्या का लक्ष्य प्राप्त कर लिया गया है पर सात राज्यों जिनमें बिहार, झारखंड, पश्चिम बंगाल जैसे बड़े राज्य भी शामिल हैं में अभी हम लक्ष्य से पीछे हैं।

आयोडीन की कमी विकलांगता का बड़ा कारण है। इसे आयोडीनयुक्त लवण की आपूर्ति से ही मिटाया जा सकता है पर प्रतिबंध के बावजूद आयोडीनरहित नमक धड़ल्ले से बिकता दिख रहा है। बधिरता व श्रवण बाधिता भी विकलांगता का एक प्रमुख अंग है। लेकिन तमाम उपायों के बावजूद इसके निवारण के प्रयासों में तेजी नहीं आ पाई है। विश्व स्वास्थ्य संगठन की एक रिपोर्ट के अनुसार भारत में 6.3 करोड़ लोग अल्प से पूर्ण श्रवण बाधिता का शिकार हैं। इसके कारण जहां उन्हें व्यक्तिगत कष्ट सहन करना पड़ता है वहीं वे आर्थिक रूप से उपयोगी कार्य नहीं कर पाते हैं और व्यक्तिगत और समाज दोनों का नुकसान होता है।

कुपोषण देश की विकराल समस्या है और फिलहाल इसके निवारण के कोई आसार नहीं आ रहे है। देश के गोदामों में अनाज सड़ रहा है पर करोड़ों बच्चों को दो जून की रोटी नहीं मिल पा रही है। कुपोषण सभी प्रकार की विकलांगताओं को जन्म देता है। पोलियों किसी समय विकलांगता का प्रमुख कारण था। पूरे विश्व में अब यह उतार पर है। भारत में भी इसके खिलाफ सघन अभियान चलाया गया जा रहा है पर उत्तर प्रदेश व बिहार इससे मुक्त नहीं हो पाए हैं। हालांकि समाज के एक वर्ग में पोलियो की खुराक के संबंध में जो भ्रांति थी वह भी लगभग मिट चुकी है पर बड़ी आबादी व साफसफाई का अभाव इससे मुक्ति में अब भी बाधक हैं। असुरक्षित प्रसव आज भी देश में विकलांग बच्चों के जन्म का बड़ा कारण है। बदलती जीवन शैली, खानपान, मोटापा, शारीरिक श्रम का अभाव समृद्ध परिवारों में विकलांगता का कारण बन रहा है। मंदबुद्धि, सेरेब्राल पाल्सी से पीड़ित बच्चों की संख्या बढ़ रही है।

मुस्लिम समाज में विकलांगता के कारण व इसका प्रभाव अधिक देखा जा रहा है। अशिक्षा, गरीबी, पर्दाप्रथा व नजदीकी रिश्तों में विवाह इसके प्रमुख कारण हैं। गरीबी व अशिक्षा के कारण बीमारियां बढ़ती हैं और उनका उचित उपचार नहीं हो पाता है। फलत: विकलांगता का उदय होता है जो गरीबी व अशिक्षा को बेतहाशा बढ़ा देती है। नजदीकी रिश्तों में विवाह अनुवांशिक रोगों को जन्म देते हैं। जिनका उपचार वर्तमान चिकित्सा व्यवस्था के लिए अब भी दुष्कर है। बुद्धिजीवियों की कुंठा भी विकलांगता बढ़ाने का एक कारण माना जाना चाहिए। कश्मीर की आजादी व माओवादियों की हिंसा का समर्थन कर चर्चा में आने वाली एक लेखिका तथा अनेक बुद्धिजीवियों ने विचार अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के नाम पर उनका समर्थन कर डाला। पर ये लोग भूल जाते हैं कि आतंकवाद के कारण उभर रही विकलांगता में वृद्धि किस कदर भयावह है। जब एक हट्टा-कट्टा सैनिक विकलांग हो जाता है तो उस पर व उसके परिवार पर क्या बीतती है। जहां उपरोक्त हिंसा में सैनिक व सामान्य आबादी तेजी से विकलांग हो रही है वहीं विकलांगों के कल्याण संबंधी योजनाओं का क्रियान्वयन भी बाधित हो रहा है। कश्मीर में आज भी अन्य राज्यों की तुलना में अधिक आजादी है। भारत की संसद द्वारा पारित कानून कश्मीर में ज्यों के त्यों लागू नहीं होते हैं। विकलांगता संबंधी अनेक कानून जैसे गंभीर व बहु विकलांगता से पीड़ित लोगों के लिए नेशनल ट्रस्ट कानून भी इसका शिकार है। हाल में जम्मू स्थित एक संस्था सहयोग के पदाधिकारियों डा.अश्विनी व ललित ने बताया कि जम्मू कश्मीर में विकलांगों की स्थिति भयानक रूप लेती जा रहा है। माओवादी हिंसा प्रभावित क्षेत्रों में तो पूरा प्रशासन ही विकलांग हो चुका है। ऐसे में वहां की स्थिति का आकलन असंभव है।

देखें तो विकलांगों के लिए 1995 में बना विकलांग कानून ही जन्मजात विकलांगता का शिकार है। इसकी हर धारा में वर्णित है कि सरकार अपनी आर्थिक स्थिति के अनुरूप योजना बनाएगी। इस कानून में कहीं भी यह नहीं लिखा कि क्रियान्वयन की जिम्मेदारी किसी होगी। क्या कथित बुद्धिजीवी इस दिशा में भी अपनी विचार अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का उपयोग करेंगे।

मोबाइल फोन का इस्तेमाल करने से सड़क दुर्घटना का खतरा बढ़ा

नयी दिल्ली। गाड़ी चलाते वक्त ध्यान भटकना सड़क दुर्घटनाओं का एक प्रमुख कारण हैं और गाड़ी चलाते वक्त मोबाइल फोन का इस्तेमाल सड़क दुर्घटना के खतरे को सामान्य के मुकाबले चार गुना तक बढ़ा देता है।

विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के अनुसार गाड़ी चलाते समय मोबाइल फोन का इस्तेमाल करने से दुर्घटना की आशंका उन लोगों के मुकाबले चार गुना बढ़ जाती है जो मोबाइल फोन का इस्तेमाल नहीं करते। डब्ल्यूएचओ ने कहा कि विभिन्न तरीके से ध्यान भटकने से दुर्घटना का खतरा बढ़ सकता है। हाल ही में दुनियाभर में ड्राइवरों द्वारा मोबाइल फोन का इस्तेमाल सड़क सुरक्षा के लिए चिंता का कारण बन गया है। मोबाइल फोन पर बातचीत करने और मेसैज टाइप करने से ध्यान भटकना खतरनाक हो सकता है खास तौर से युवा चालकों का इससे काफी ध्यान भटकने की आशंका ज्यादा होती है। जो लोग गाड़ी चलाते समय मोबाइल फोन का इस्तेमाल करते है वे धीमी गति से ब्रेक लगाते है और उनकी ट्रैफिक सिग्नल पर रुकने या चलने की प्रतिक्रिया भी धीमी होती है।

डब्ल्यूएचओ ने कहा कि सरकारों को इस संबंध में अति सक्रिय होने की जरुरत है लेकिन गाड़ी चलाते समय मोबाइल फोन का इस्तेमाल कम करने को लेकर कोई ठोस नीति नहीं है। संगठन ने सुझाव दिया कि इस संबंध में सरकार को कानून बनाने चाहिए, जागरूकता अभियान चलाना चाहिए और इस समस्या को समझने के लिए ड्राइविंग करते समय ध्यान भटकने को लेकर नियमित तौर पर आंकड़े एकत्रित करने चाहिए।

डब्ल्यूएचओ के अनुसार सड़क दुर्घटनाओं में प्रति वर्ष करीब 12 लाख 50 हजार लोगों की मौत हो जाती है। डब्ल्यूएचओ के महा निदेशक डॉ मार्गरेट चान ने कहा कि सड़क दुर्घटनाओं से काफी लोगों की मौत होती है विशेषकर गरीब देशों में गरीब लोगों की।

पुरुषों में भी हो सकता है स्तन कैंसर

लखनऊ। सुनने में भले ही अटपटा लगे लेकिन यहां के किंग जार्ज चिकित्सा विश्वविद्यालय के डाक्टरों का दावा है कि पुरुषों को भी स्तन कैंसर हो सकता है।

इस महीने को स्तन कैंसर जागरुकता माह के रुप में मना रहे विश्वविद्यालय के कैंसर विशेषज्ञों का कहना है कि स्तन कैंसर महिलाओं को होने वाली बडी बीमारियों में से एक है। उनका दावा है कि स्तन कैंसर पुरुषों को भी हो सकता है लेकिन पुरुषों की तुलना में यह बीमारी महिलाओं में बहुत अधिक होती है।

जागरुकता माह के संयोजक और कैंसर विशेषज्ञ डा. पी के मिश्रा ने कहा कि कैंसर प्रमुख रुप से असामान्य कोशिकाओं के समूह के अनियंत्रित रुप से बढने के कारण होता है। ऐसी कोशिकाओं का समूह अक्सर ट्यूमर का निर्माण करता है। स्तन कैंसर में ट्यूमर आसपास के टिश्यूज में भी विकसित हो जाता है और कभी- कभी शरीर के अन्य भागों तक भी फैल जाता है।

डा. मिश्रा ने कहा कि धूम्रपान, मोटापा, व्यायाम की कमी और अस्वाध्यकर भोजन आदि से स्तन कैंसर होने का खतरा बढ़ जाता है। स्तन कैंसर के मामले में महिलाएं प्राय: सबसे पहले स्तन में गांठ का अनुभव करती हैं तथा कुछ मामले में तेज दर्द या स्तन मुलायम होने का भी अनुभव कर सकती हैं।

उन्होंने कहा कि स्तन कैंसर के प्रारंभिक लक्षणों में स्तन के आकार में परिवर्तन, एक नयी गांठ जो अगली माहवारी के बाद भी खत्म न होना, स्तन के निप्पल से लाल, भूरे या पीले रंग के स्राव का निकलना, स्तन का लाल होना, सूजन या बगल में गांठ होना, कालरबोन या कांख के पास सूजन या गांठ होना आदि है।

उन्होंने कहा कि स्तन कैंसर के बारे में जानकारी करने का सबसे अच्छा तरीका मैमोग्राफी है। कैंसर की पहचान करने के लिए जरुरत पडने पर बॉयोप्सी की जाती है।

उन्होंने कहा कि इन दिनो आधुनिक ब्रेस्ट सर्जरी से केवल कैंसर ग्रस्त भाग को निकालकर उपचार दिया जाता है। इससे मरीज को कम दर्द, तेजी से घाव ठीक होना, संक्रमण का कम जोखिम और अस्पताल में कम समय तक रुकना पडता है।

कविता

बहुत ही सुंदर पंक्तियां

जब भी अपनी शख्शियत पर अहंकार हो,
एक फेरा शमशान का जरुर लगा लेना।
और
जब भी अपने परमात्मा से प्यार हो,
किसी भूखे को अपने हाथों से खिला देना।
जब भी अपनी ताक़त पर गुरुर हो,
एक फेरा वृद्ध आश्रम का लगा लेना।
और
जब भी आपका सिर श्रद्धा से झुका हो,
अपने माँ बाप के पैर जरूर दबा देना।
जीभ जन्म से होती है और मृत्यु तक रहती है
क्योकि वो कोमल होती है।
दाँत जन्म के बाद में आते है और
मृत्यु से पहले चले जाते हैं....
क्योकि वो कठोर होते है।
छोटा बनके रहोगे तो मिलेगी हर बड़ी रहमत
बड़ा होने पर तो माँ भी गोद से उतार देती है
किस्मत और पत्नी
भले ही परेशान करती है लेकिन
जब साथ देती हैं तो ज़िन्दगी बदल देती हैं।
प्रेम चाहिये तो समर्पण खर्च करना होगा।
विश्वास चाहिये तो निष्ठा खर्च करनी होगी।
साथ चाहिये तो समय खर्च करना होगा।
किसने कहा रिश्ते मुफ्त मिलते हैं ।
मुफ्त तो हवा भी नहीं मिलती ।
एक साँस भी तब आती है,
जब एक साँस छोड़ी जाती है।

विकलांग मंच कार्यालय: प्लाट नं. 141, सेक्टर-8, मालवीय नगर, जयपुर-302017, फोन:0141-2547156. फोटो टाइपसेटिंग: टास्क ग्राफिक्स (मोबा.:9828278728)। मुद्रित: श्रीराम आफसेट, जोरावरसिंह गेट बाहर, आमेर रोड, जयपुर। संरक्षक: डी.आर.मेहता (रिटा.आईएएस)। प्रधान संपादक: एम.आर.सिंघवी (रिटा.आईआईएस)। प्रकाशक मुद्रक एवं सम्पादक: एन.के.खत्री। संपादकीय सलाहकार:डॉ. अरुण माथुर। हाडोती अंचल ब्यूरो प्रमुख: अर्जुन देव चढ्डा, कोटा। प्रबन्धक:धर्मपाल। E-Mail:vicklangmanch@ymail.com / vicklangmanch@gmail.com

कुष्ठ रोगियों के प्रति भावना बदलने की जरूरत: नाईक

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के राज्यपाल राम नाईक ने यहां आदर्श कुष्ठ आश्रम में भारत विमर्श फाउण्डेशन द्वारा आयोजित कार्यक्रम में भाग लिया।

राज्यपाल ने कहा कि कुष्ठ रोगियों के मानवीय अधिकारों की रक्षा एवं उनके पुनर्वास के लिए ठोस कार्य होने चाहिये। कुष्ठ पीड़ितों को लोग घृणा से देखते हैं। समाज को कुष्ठ पीड़ितों के प्रति व्याप्त कुरीतियों, सोच एवं भावनाओं को बदलने की जरूरत है। कुष्ठ रोगियों को कुष्ठ पीड़ित कहा जाना चाहिये क्योंकि विज्ञान ने सिद्ध कर दिया है कि कुष्ठ रोग का इलाज संभव है और यह संक्रामक नहीं है। उचित इलाज से यह रोग पूर्ण रूप से दूर किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि कुष्ठ पीड़ितों के प्रति समाज में व्याप्त भ्रांति एवं नफरत को दूर करके ऐसे लोगों को समाज की मुख्यधारा से जोड़े जाने की आवश्यकता है।

नाईक ने बताया कि राज्यपाल बनने से पूर्व वे कुष्ठ पीड़ितों के लिए कार्य करने वाली संस्था इण्टरनेशनल लेप्रोसी यूनियन के अध्यक्ष रह चुके हैं। वर्ष 2007 में कुष्ठ पीड़ितों की समस्याओं के संबंध में उन्होंने राज्यसभा में एक याचिका प्रस्तुत की थी, जिस पर तब कोई निर्णय नहीं हो सका था। संसदीय याचिका समिति ने अब प्रति व्यक्ति 2000 रू. मासिक निर्वहन भत्ता दिये जाने की संस्तुति की है। उनके सुझाव पर प्रदेश के मुख्यमंत्री, अखिलेश यादव ने प्रति व्यक्ति 2500 रू. प्रतिमाह देने की संस्तुति की है।

गीता इंदौर में लेगी साइन लैंग्वेज का प्रशिक्षण

इंदौर। पाकिस्तान में 15 साल तक रही मूक बधिर गीता 27 अक्टूबर को अपने अस्थायी घर मूक बधिर संगठन इंदौर पहुंच गई। जब तक उसके वास्तविक माता पिता नहीं मिल जाते, तब तक वह यहीं रहेगी। गीता इंदौर के मूक बधिर संगठन में साइन लैंग्वेज का प्रशिक्षण प्राप्त करेगी।

अब बिना अंग काटे संभव है गैंगरीन का इलाज

लखनऊ। मधुमेह और अत्यधिक धूम्रपान के कारण होने वाली बीमारी गैंगरीन से पीडित मरीज को बिना अंग काटे स्वस्थ किया जा सकेगा। चिकित्सकों ने एक ऐसी तकनीक विकसित की है जिसकी बदौलत बिना अंग काटे पीडित की एंजियोप्लास्टी की जा सकेगी। अंतर्राष्ट्रीय ख्याति प्राप्त हृदयरोग विशेषज्ञ डॉक्टर रविन्द्र सिंह राव ने बताया कि गैंगरीन में धमनियां सौ फीसदी बंद हो जाती है, जिससे शरीर के किसी अंग विशेष में रक्त का प्रवाह नहीं हो पाता। अभी तक इसका केवल एक ही इलाज शरीर से अंग को अलग कर देना था मगर अब एंजियोप्लास्टी के जरिए अंग को बचाया जा सकता है। डा. राव ने बताया कि ऑपरेशन के दौरान मरीज के दूसरे अंग की धमनी से एक नलिका डाली जाती है और इस नलिका को अरोटा में भेजा जाता है। उसके बाद बीमार अंग की बंद धमनी में डाला जाता है और उस अंग में रक्त पहुँचाया जाता है तथा उसे क्रियाशील बनाया जाता है।

मूक बधिर बच्चों ने चित्रों में उकेरा भाव

जोधपुर। करूणा इंटरनेशनल केन्द्र की ओर से नेत्रहीन विकास संसथान में चित्र प्रतियोगिता आयोजित की गई। केन्द्र के अध्यक्ष मनोज डागा ने बताया कि प्रतियोगिता में मूक बधिर बच्चों ने प्रकृति और पर्यावरण संरक्षण से संबंधित चित्र बनाए। प्रतियोगिता में लालाराम प्रथम व विजय कुमार द्वितीय रहे।

विकलांगों को सरकारी नौकरी में 10 साल की छूट

नयी दिल्ली। केंद्र की मोदी सरकार ने देशभर के विकलांग युवकों को बड़ा तोहफा दिया हैं। सरकार ने शारीरिक तौर पर अक्षम लोगों को सरकारी नौकरी में 10 साल तक की छूट दी है। केंद्र सरकार में सीधी भर्ती वाली सेवाओं के मामले में दृष्टि बाधित, बधिर और चलने-फिरने में विकलांग या सेरेब्रल पल्सी के शिकार लोगों को उम्र में 10 साल की छूट दी है।

विकलांग सेवा संस्थान की बैठक

झुंझुनूं। राजस्थान विकलांग सेवा संस्थान की बैठक पूर्व पार्षद जाकिर हुसैन की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। विकलांग सेवा संस्थान के महामंत्री हरचंद सिंह महला ने बताया कि बैठक में विश्व विकलांग दिवस की तैयारियों को लेकर चर्चा की गई। इस अवसर पर संयोजक कैलाशचंद टेलर ने जरूरतमंद विकलांगों को विभिन्न योजनाओं के फार्म भरवाए।

आईआईटी में फ्री में पढ़ेंगे नि:शक्त छात्र

नई दिल्ली। आईआईटी में पढ़ रहे नि:शक्त छात्रों को फीस नहीं देनी होगी। केन्द्रीय मानव संसाधन मंत्री स्मृति ईरानी की अध्यक्षता में हाल ही यहां हुई आईआईटी काउंसिल की बैठक में यह निर्णय लिया गया।

छह बधिर बच्चों को लगाए कॉकलियर इंप्लांट

जोधपुर। मथुरादास माथुर अस्पताल में छह बधिर बच्चों की कॉकलियर इंप्लांट की सर्जरी हुई। इन बच्चों को स्पीच थैरेपी की ट्रेनिंग देकर रेसपान्स करना सिखाया जाएगा। यह ट्रेनिंग एक साल चलेगी।

नेत्रहीन विकास संस्थान ने जीता खिताब

जोधपुर। हाल ही यहां आयोजित जिला स्तरीय विशेष योग्य बच्चों की खेलकूद प्रतियोगिता में नेत्रहीन विकास संस्थान के बच्चों ने प्रथम स्थान की ट्रॉफी जीती। विजेता टीम को संभागीय आयुक्त रतन लाहोटी ने पुरस्कृत किया। नेत्रहीन विकास संस्थान की अध्यक्ष सुशीला बोहरा ने खेलकूद प्रतियोगिता की जानकारी व संस्थान के कार्यकलापों से अवगत कराया। अंत में सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग की अधिकारी टीना अरोड़ा ने धन्यवाद ज्ञापित किया।

दृष्टिबाधित बालक-बालिकाओं के लिए

लुई-ब्रेल दृष्टिहीन विकास संस्थान, जयपुर द्वारा संचालित

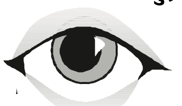

दृष्टिहीन

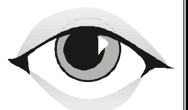

आवासीय प्रशिक्षण केन्द्र

-: हमारे द्वारा देय सेवाएँ :-

- प्रशिक्षित अध्यापकों द्वारा ब्रेललिपि द्वारा अध्यापन
- कंप्यूटर टाईपिंग एवं शॉर्टहैंड द्वारा स्टेनोग्राफी का प्रशिक्षण
- नि:शुल्क भोजन एवं आवास व्यवस्था
- नि:शुल्क परामर्श केन्द्र

दृष्टिहीन बालक नहीं जानते रोशनी कैसी होती है

इसके बाद भी दृष्टिहीनों में एक सक्षम नागरिक बनने की एक असीमित क्षमता है। उन्हें चाहिये विशेष प्रशिक्षण एवं सुविधाएं। सक्षम नागरिकों का दायित्व है, इस कार्य में सहयोग करना।

एम.पी. गुप्ता	ओमप्रकाश अग्रवाल	जयप्रकाश गुप्ता
अध्यक्ष	सचिव	कोषाध्यक्ष

लुई-ब्रेल दृष्टिहीन विकास संस्थान

एच-32, बढ़ारणा, टेलीकॉम ट्रेनिंग सेन्टर के पीछे, वाया रोड नं. 14, वी.के.आई. एरिया, जयपुर-302013, फोन:0141-4023328, 2235738, मो.:09314561988 (सचिव)

गरबा उत्सव में आर्य समाज का वेद प्रचार

गुजराती वैदिक साहित्य का किया वितरण

कोटा। गुजराती समाज सभा भवन कोटा में नवरात्री के अवसर पर गरबा उत्सव में आर्यसमाज जिला सभा कोटा द्वारा गुजराती भाषा में वैदिक साहित्य का वितरण कर वेद प्रचार का कार्य किया गया।

वेद प्रचार का शुभारंभ आर्य समाज के जिला प्रधान अर्जुनदेव चढ्डा गुजराती समाज के पूर्व अध्यक्ष जी.डी. पटेल, अध्यक्ष नीलेष भाई पटेल ने मंत्रोच्चार के साथ दीप प्रज्वलन से किया। अर्जुनदेव चढ्डा ने निलेश भाई पटेल को गुजराती भाषा में साहित्य का सेट प्रदान किया। आर्य समाज के जिला प्रधान अर्जुनदेव चढ्डा ने कहा कि अपनी मातृभाषा में लिखा साहित्य हम अपनत्व के साथ पढ़ते हैं। साहित्य हमारे जीवन को दिशा देता है। आर्यसमाज का साहित्य जीवन जीने का मार्ग बतलाता है। गुजराती समाज के पूर्व प्रधान व समाजसेवी जी.डी. पटेल ने कहा कि महर्षि दयानन्द गुजरात ही नहीं, भारत के रत्न थे। महर्षि दयानन्द के साहित्य से विश्व में क्रांति आई। जिससे भारत में समाज सुधार के कार्य का शुभारंभ हुआ। कार्यक्रम संयोजक अरविन्द पाण्डेय ने बताया कि गुजराती भाषा में सत्यार्थ प्रकाश, ऋग्वेद द्विभाष्य भूमिका, उपनिषद्, आयुर्वेद एवं सरल भाषा में पारिवारिक साहित्य का वितरण किया। गुजराती समाज के लोगों ने जिज्ञासा, उत्साह एवं प्रसन्नता से साहित्य को प्राप्त किया।

जन चेतना दिवस का आयोजन

श्री गंगानगर। स्थानीय सदभावना नगर स्थित मानसी जन कल्याण सेवा संस्थान द्वारा संचालित मानसिक विमंदित पुनर्वास गृह में जन चेतना दिवस का आयोजन किया गया। समारोह में मुख्य अतिथि जिला कलक्टर पी.सी. किशन रहे। विशिष्ट अतिथि सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग के सहायक निदेशक बी.पी. चन्देल, मुख्य आयोजना अधिकारी इंदीवर दुबे, सर्व शिक्षा अभियान के समन्वयक भूपेन्द्र स्वामी आदि गणमान्यजन रहे।

समारोह में समाजिक कुरीतियों पर वक्ताओं ने अपने विचार व्यक्त किए। इस अवसर पर मानसिक विमंदित बच्चों ने रंगारंग कार्यक्रम प्रस्तुत कर अचंभित कर दिया। कार्यक्रम के बाद जिला कलक्टर पी.सी. किशन ने मानसिक विमंदित पुनर्वास गृह में रह रहे बच्चों से मुलाकात कर वहां की व्यवस्था का जायजा लिया। प्रारंभ में सीताराम मौर्य ने संस्थान के कार्यकलापों की जानकारी दी। अंत में भूपेन्द्र स्वामी ने अतिथियों का आभार व्यक्त किया।

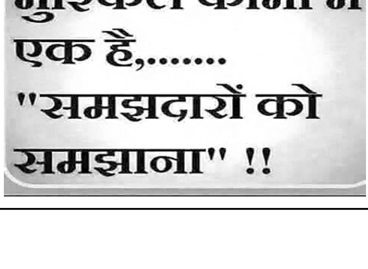

चिकित्सा शिविर में 180 रोगियों की जांच

सुजानगढ़। स्थानीय ओसवाल संघ द्वारा श्रीमती गिन्नीदेवी चोरड़िया चैरिटेबल ट्रस्ट चाड़वास के ट्रस्टी व अध्यक्ष शुभकरण रणजीतसिंह चौरड़िया के आर्थिक सौजन्य से आयोजित नैत्र, कान-नाक-गला एवं दन्त रोगों के 180 रोगियों की नि:शुल्क जांच कर उन्हे परामर्श दिया गया। पार्षद राजेन्द्र गिड़िया ने बताया कि ओसवाल संघ में आयोजित शिविर में नाक-कान-गला रोग विशेषज्ञ डा. जयसिंह पगारिया ने 48, नेत्र रोग विशेषज्ञ डा. वीणा पगारिया 71 एवं दंत रोग विशेषज्ञ डा. शशिकान्त सोनी 61 रोगियों की जांच कर उन्हे उचित परामर्श दिया। शिविर को सफल बनाने में श्रीमती गिन्नीदेवी चोरड़िया चैरिटेबल ट्रस्ट चाड़वास के ट्रस्टी व अध्यक्ष शुभकरण रणजीतसिंह चौरड़िया, ओसवाल संघ के ट्रस्टी खड़गसिंह बांठिया, राजेन्द्र भूतोड़िया, पार्षद राजेन्द्र प्रकाश गिड़िया, हंसराज सेठिया, अशोक मालू, हेमराज डोसी, अमरसिंह बोकड़िया, सीए हनुमानमल सेठिया, बुद्धमल भूतोड़िया, मनोज बाफना, कमल डागा आदि ने अपना योगदान दिया।

मानसिक नि:शक्त बच्चों की खेल प्रतियोगिता

कोटा। शिखर स्पेशल स्कूल में मानसिक नि:शक्त बच्चों की विभिन्न खेल प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं। इन प्रतियोगिताओं में विद्यालय के 45 बच्चों ने भाग लिया। प्राचार्या मीनाक्षी सक्सैना ने बताया कि दौड़ व खड़ी कूद

प्रतियोगिता में पवन, नीलेश, अंजली, शिवानी, गौरव व हर्ष ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। नृत्य प्रतियोगिता में हर्षिता, मोहित, दुर्गेश व नीलेश ने प्रथम स्थान प्राप्त किया।

छात्रावासों एवं आवासीय विद्यालयों की खाद्य सामग्री उच्च गुणवत्ता की हो

जयपुर। सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री डॉ. अरूण चतुर्वेदी ने कहा है कि राजकीय छात्रावासों एवं आवासीय विद्यालयों में उपलब्ध कराई जा रही खाद्य सामग्री एवं अन्य वस्तुओं की गुणवत्ता उच्च होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि यह देश की भावी पीढ़ी से जुड़ा मामला है इसमें किसी प्रकार की कमी बर्दाश्त नहीं की जाएगी। डॉ. चतुर्वेदी यहां शासन सचिवालय के मंत्रालय भवन में राजकीय छात्रावासों एवं आवासीय विद्यालयों में राजस्थान सहकारी उपभोक्ता संघ लि. से खाद्य सामग्री एवं अन्य आवश्यक वस्तुएं क्रय करने के निर्णय लिए जाने के सम्बन्ध में आयोजित बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। बैठक में विभाग के प्रमुख शासन सचिव सुदर्शन सेठी, अतिरिक्त निदेशक हरसहाय मीना एवं राजस्थान राज्य सहकारी उपभोक्ता संघ लि. के प्रबन्ध निदेशक इन्द्रसिंह सहित अन्य उच्चाधिकारी उपस्थित थे।

उन्होंने कहा कि छात्रावासों व आवासीय विद्यालयों में बच्चों के लिए आटा, दलिया, दाल, मसाले, खाद्य तेल, चीनी, घी, नमक, दुग्ध व चावल उसी क्वालिटी का होना चाहिए, जो निर्धारित किया गया है। उन्होंने स्पष्ट किया कि निर्धारित सामग्री व वस्तुओं के अलावा अन्य क्वालिटी की वस्तुएं कभी भी मान्य नहीं होगी। उन्होंने यह भी निर्देश दिए कि खाद्य सामग्री व अन्य वस्तुओं की पैकिंग पर ''एसजेआईडी नोट फॉर सेल'' लिखा हुआ आवश्यक होना चाहिए। उन्होंने यह भी निर्देश दिए कि सामग्री के आदेश दिए जाने के बाद 10 दिन के भीतर सभी छात्रावासों एवं आवासीय विद्यालयों में सामग्री पहुंच जानी चाहिए। उन्होंने नवम्बर माह के लिए 20 अक्टूबर को आदेश देने व 5 नवम्बर तक सामग्री पहुंचाने की व्यवस्था सुनिश्चित करने के भी निर्देश दिए।

बैठक में इस बात पर भी सहमती बनी कि प्रति बच्चे एक माह के लिए एक हजार 40 रुपये की सामग्री क्रय की जाएगी। साथ ही 24 की बजाय 27 तरह की वस्तुएं क्रय करने तथा उड़द की दाल की जगह चने की दाल की मात्रा बढ़ाने पर सहमति बनी। इनके अतिरिक्त आटा, चावल, मसाले भी ब्रॉण्डेड ही होने पर सहमति बनी। बैठक में प्रति बच्चे 350 ग्राम सरसों व 350 ग्राम मूंगफली का तेल उपलब्ध कराने तथा मूंगफली में तिलम ब्राण्ड या सोना सिक्का तथा सरसों में इन्जन व टैगोर ब्राण्ड का तेल उपलब्ध कराने पर सहमति बनी।

इसी प्रकार घी सरस व अमूल का, मसाले हवामहल या उपहार एग मार्क का एवं टाटा नमक नहीं होने पर सूर्या, डिटर्जेन्ट पाउडर में रिन व व्हील तथा साबुन में ओसवाल ब्राण्ड, टूथपेस्ट 50 ग्राम कोलगेट या क्लोजअप एवं सिर में लगाने के लिए डाबर अनमोल सरसों का तेल उपलब्ध कराने पर सहमति बनी।

स्मार्ट सिटी विजन 2050 में

मूक बधिर कलाकारों ने केनवास पर उकेरी अपनी कल्पना

नगर निगम जयपुर द्वारा स्मार्ट सिटी 2050 विषय पर राजकीय सेठ आनन्दीलाल पोद्दार मूकबधिर उच्च माध्यमिक विद्यालय, जयपुर में मूक बधिर कलाकारों के लिए चित्रकला प्रतियोगिता आयोजित की गई । चित्रकला प्रभारी योगेन्द्र सिंह नरूका ने बताया कि इस प्रतियोगिता में 350 मूक बधिर छात्र छात्राओं ने स्र्माट सिटी विजन 2050 विषय पर अपनी कल्पनाओं को केनवास

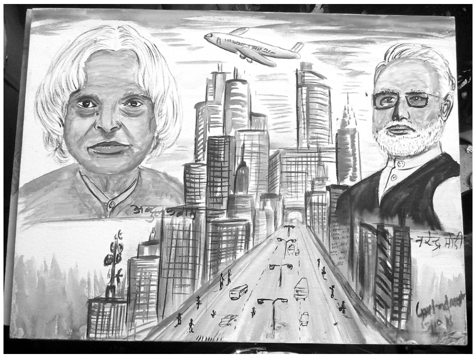

पर उकेर कर साकार किया। मूक बधिर छात्र छात्राओं ने भविष्य के स्मार्ट सिटी के बारे में इस आयोजन के मुख्य अतिथि नगर निगम जयपुर के महापौर श्रीमान निर्मल नाहटा को केनवास पर अपनी भावनायें उकेर कर प्रभावित किया । इस अवसर पर राजकीय सेठ आनन्दीलाल पोद्दार मूक बधिर विद्यालय जयपुर के प्रधानाचार्य महेश वाधवानी व भण्डार प्रभारी रमेश चन्द जैन उपस्थित थे।

फ्लोर बॉल टीम सलेक्शन कैम्प

चिड़ावा। स्पेशल ओलम्पिक भारत राजस्थान के सौजन्य से अक्षय प्रतिष्ठान चिडावा में राजस्थान की फ्लोर बॉल टीम का चयन करने हेतु शिविर का आयोजन किया गया। जिसमें राजस्थान के 10 जिलों से 65 विशेष खिलाड़ियों ने भाग लिया। प्रतियोगिता का आयोजन अतिथियों द्वारा दीप प्रज्ज्वलित कर किया गया। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि अनिल शर्मा व दीपक महमिया, संदीप गोदारा पार्षद चिडावां नगर पालिका थे। यु. के. पाण्डेय ऐरिया डायरेक्टर स्पेशल ओलम्पिक भारत राजस्थान ने बताया कि शिविर में चयनित ऐथलिटस की टीम आगामी राष्ट्रीय व अन्तराष्ट्रीय स्तर कि प्रतियोगिताओ में वर्ष 2016-17 में भाग लेंगी। राष्ट्र स्तरीय प्रतियोगिता का आयोजन हिमांचल प्रदेश एवं अर्न्तराष्ट्रीय प्रतियोगिता को आयोजन ऑस्ट्रीया में होगा। यह फ्लोर बॉल टीम सलेक्सन कैम्प राजस्थान के स्पोर्टस डायरेक्टर डी. के. सिह की देख रेख में सम्पन्न हुआ। अक्षय प्रतिष्ठान के प्रबन्धक लीलाधर भगेरिया ने सभी प्रतिभागियों का आभार व्यक्त किया व शुभकामनाएँ दी। इस कार्यक्रम में मो. वकील, श्रीमती सुमन शर्मा, धर्मवीर , नेहा, रमादेवी, मोहल लाल व नरेन्द्र चौहान ने अपना सहयोग प्रदान किया।

जिला कलेक्टर मिले विकलांग बच्चों से

उदयपुर। जिला कलेक्टर रोहित गुप्ता ने नवरात्री के प्रथम दिन की शुरूआत नारायण सेवा संस्थान में करीब 2 घण्टे विकलांग बच्चों के साथ रहकर की।

वे विभिन्न राज्यों से संस्थान में नि:शुल्क पोलियो करेक्शन के लिए आए बच्चों व उनके परिजनों से मिले और विकलांगता तथा अब तक के उपचार की जानकारी ली।

संस्थापक-चेयरमैन कैलाश मानव व निदेशक श्रीमती वन्दना अग्रवाल ने उनका स्वागत करते हुए उन्हें संस्थान की 30 वर्षीय सेवा यात्रा की जानकारी दी। जिला कलेक्टर ने कहा कि पीड़ित और जरूरतमंद लोगों की जिस समर्पण के साथ नारायण सेवा संस्थान में सेवा हो रही हैं वह अद्भुत हैं।

सही मायने में यही मानव धर्म की प्रतिष्ठा है। जिला कलेक्टर ने ऑपरेशन थियेटर में पोलियो करेक्शन के ऑपरेशन होते हुए देखे तथा इस सम्बन्ध में डॉ ए.एस.चुण्डावत से जानकारी ली। उन्होंने मूक बधिर, विमन्दित एवं प्रज्ञाचक्षु बालकों के आवासीय विद्यालय में शिक्षा तकनीक की जानकारी के साथ ही बच्चों से प्रश्न भी किए। वे इन बच्चों द्वारा जुट, मिट्टी और वेस्ट मेटेरियल से तैयार किए गए गृह सज्जा शिल्प को भी देखा और सराहना की। नि:शक्तजन के लिए संस्थान द्वारा चलाए जा रहे कम्प्यूटर, सिलाई और मोबाईल प्रशिक्षण केन्द्रों को भी देखा तथा केलीपर्स विभाग और विकलांगों व वृद्धों के लिए चलाए जा रहे फिजियोथैरेपी सेन्टर का अवलोकन किया। जिला कलेक्टर ने करौली जिले के हिण्डोन निवासी सवाई सिंह से करीब 10 मिनट तक बातचीत की।

आठ वर्ष पूर्व यह एक रेल दुर्घटना में घुटनों तक एक पैर व कोहनी तक दोनों हाथ गवा चुके थे। संस्थान में इनके पांव और हाथ कृत्रिम लगाए गए है। जिला कलेक्टर ने महाराष्ट्र के अमरावती निवासी पवन उमरावती से भी बातचीत की इनका संस्थान में सन् 2004 में पोलियो ऑपरेशन हुआ।

इसके बाद भी कुछ ऑपरेशन हुए और हाल ही में उनके दोनों पांव में विशेष कैलीपर लगाए गए है। उत्तमानी एक फुड कम्पनी में मेनेजर है। जिला कलेक्टर ने संस्थान के आग्रह पर उदयपुर आने वाले विकलांग यात्री व रोगियों के लिए रेलवे स्टेशन पर व्हील चेयर सुविधा उपलब्ध कराने के लिए फोन पर डी.आर.एम. नरेश सलेचा से भी फोन पर बातचीत की। नारायण सेवा संस्थान स्टेशन पर यह सुविधा नि:शुल्क मुहैया करवाएगी। इस अवसर पर संस्थान ट्रस्टी जगदीश आर्य, चिकित्सालय प्रभारी राकेश शर्मा, राकेश दुग्गल, केलीपर्स विभाग के प्रभारी निरंजन साहु, दल्लाराम पटेल आदि भी उपस्थित थे।

जिला प्रमुख ने किया सेवा प्रकल्पों का अवलोकन

उदयपुर। जिला प्रमुख शांतिलाल मेघवाल ने कहा कि बच्चों के लालन-पालन में अनुभव के साथ-साथ मित्र भाव होना भी बहुत जरूरी है। ये विचार उन्होंने नारायण सेवा संस्थान के आवासीय विद्यालय में विमंदित, मूक-बधिर एवं प्रज्ञा चक्षु बालकों की विशेष कक्षाओं व उनके द्वारा निर्मित हस्त शिल्प देखने के बाद व्यक्त किए। जिला प्रमुख उन जन्मजात विकलांगों व पूर्व पोलियो ग्रस्त बच्चों से भी मिले, जिनके हाल ही में नि:शुल्क ऑपरेशन सम्पन्न हुए। संस्थान संस्थापक कैलाश मानव व निदेशक श्रीमती वन्दना अग्रवाल ने उनका स्वागत करते हुए बताया कि संस्थान स्थापना के बाद से अभी तक करीब 17 लाख पोलियों ग्रस्त रोगियों की नि:शुल्क जांच कर ऑपरेशन योग्य 2 लाख 60 हजार नि:शक्तों के नि:शुल्क ऑपरेशन संस्थान द्वारा किये जा चुके हैं। जिला प्रमुख ने संस्थान में नि:शक्तजनों के लिए चलाए जा रहे विभिन्न नि:शुल्क प्रशिक्षण केन्द्रों का भी अवलोकन कर संस्थान के सेवा प्रकल्पों की जानकारी ली। इस अवसर पर ट्रस्टी जगदीश आर्य, पलक अग्रवाल, प्रशिक्षण प्रभारी यशोदा पणिया व महिम जैन आदि भी उपस्थित थे।

निःशुल्क नेत्र चिकित्सा शिविर का आयोजन

दिल्ली की प्रमुख समाजसेवी संस्था तरुण मित्र परिषद द्वारा श्री अहिच्छत्र पार्शवनाथ दिगम्बर जैन मंदिर मे एक नि:शुल्क नेत्र चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया। शिविर का दीप प्रज्जवलित कर युवा व्यवसायी ओशो जैन ने कहा कि तरुण मित्र परिषद ने यहाँ के ग्रामीण बुजुर्गों व गन्ना किसानों की सहायतार्थ नेत्र शिविर लगाकर सराहनीय कार्य किया है।

कार्यक्रम की अध्यक्षता श्रद्धा सदन समिति, हस्तिनापुर के प्रमुख सदस्य सुभाष चन्द जैन घी वालों ने व स्वागताध्यक्ष मंदिर अध्यक्ष विनोद बिहारी जैन ने सभी अतिथियों का माल्यार्पण कर सम्मान किया। तरुण मित्र परिषद के महासचिव अशोक जैन ने बताया कि परिषद ने हस्तिनापुर की ऐतिहासिक धरा पर सामाजिक कार्यो की सेवार्थ श्रद्धा सदन का निर्माण किया है। जैन ने बताया कि यह 113वां नेत्र शिविर कशमीरी लाल व कृष्णा धवन की स्मृति मे अनिल धवन के सहयोग से लगाया गया। इस शिविर में के.डी.डालमिया नेत्र चिकित्सालय के चिकित्सा निदेशक डा.के.लाल की टीम ने 335 रोगियों की जांच कर 75 रोगियों को मोतियाबिंद के नि:शुल्क आपरेशन हेतु चयन कर रामपुर स्थित डालमिया आई हस्पताल ले जाया गया।

सांसद ने किया निःशक्त कन्याओं के ऑपरेशन शिविर का उद्घाटन

उदयपुर। चित्तौडगढ़ के सांसद सी.पी. जोशी ने कहा है कि मानवीय मूल्यों को सहेजे रखने वाला व्यक्ति अथवा समाज सदैव आदर का पात्र बनता है। वे नि:शक्त कन्याओं के पोलियो करेक्शन ऑपरेशन के सातवें दिन के विशेष शिविर का उद्धाटन कर रहे थे। उन्होंने कहा कि पीड़ित और कमजोर वर्ग की मदद करना ही सच्चा धर्म है। सांसद के साथ भजपा नेता गजपाल सिंह राठौड़, मनोहर चौधरी, गजेन्द्र भण्डारी, नरेश वैष्णव, महेन्द्र औदिच्य व पार्षद लवदेव बागड़ी भी थे।

संस्थान अध्यक्ष प्रशान्त अग्रवाल व निदेशक श्रीमती वन्दना अग्रवाल ने अतिथियों का स्वागत करते हुए उन्हें संस्थान के नि:शुल्क सेवा प्रकल्पों की जानकारी दी। सांसद ने मूकबधिर, विमन्दित एवं प्रज्ञाचक्षु बालकों को विशेष आवासीय विद्यालय एवं उनके द्वारा तैयार हस्त शिल्प कैलीपर्स वर्कशॉप, नि:शक्तजनों के लिए चलाए जा रहे विशेष सिलाई, मोबाईल व कम्प्यूटर प्रशिक्षण केन्द्रों का अवलोकन किया।

जेएसपीएल फाउंडेशन ने लांच किया राष्ट्रीय स्वयंसिद्ध सम्मान

जयपुर। जिंदल स्टील एंड पावर लिमिटेड (जेएसपीएल) के कॉर्पोरेट सामाजिक दायित्वों को निभाने वाली गतिविधियों को आगे बढ़ाने वाली जेएसपीएल फाउंडेशन साहसी लोगों की कहानियों को प्रकाश में लाना चाहती है। अदम्य साहसी लोगों को सम्मानित करने के लिए जेएसपीएल फाउंडेशन एक अभूतपूर्व पुरस्कार राष्ट्रीय स्वयंसिद्ध सम्मान की इस वर्ष स्थापना कर रहा है।

राष्ट्रीय स्वयंसिद्ध सम्मान जमीनी स्तर के उन लोगों को सम्मानित करेगा जिन्होंने अपने अनुकरणीय साहस, प्रतिबद्धता और आत्म विश्वास के बल पर जीवन की विपरीत परिस्थितियों को पार किया और अपनी खुद की विशिष्ट पहचान बनाई तथा इस प्रकार वे बहुत से लोगों की प्रेरणा बने। ये लोग परिवर्तन के दूत बनकर देश के विभिन्न हिस्सों में जा कर वंचितों के उत्थान के लिए काम करेंगे तथा अपने अनुभवों व कठिनाईयों के उदाहरणों से उन्हें अपने सपने सच करने के लिए प्रेरित करेंगे। जेएसपीएल फाउंडेशन की अध्यक्ष शालू जिंदल कहती हैं कि राष्ट्रीय

स्वयंसिद्ध सम्मान के आयोजन का उद्देश्य है जमीनी स्तर पर प्रतिभाओं की पहचान करना व उन्हें बढ़ावा देना। हमारा प्रयास है उन कहानियों को सामने लेकर आना जो अभी तक अनसुनी रही हैं। साहस और संकल्प की ये कहानियां समाज में परिवर्तन ले कर आएंगी। राष्ट्रीय स्वयंसिद्ध सम्मान ऐसे ही लोगों को सलाम करने और उन्हें एक राष्ट्रीय मंच मुहैया कराने की कोशिश है ताकि बाकी लोग भी उनसे प्रेरणा ले सकें। स्वयंसिद्ध सम्मान को राष्ट्रीय स्तर पर ले जा कर जेएसपीएल फाउंडेशन की कोशिश है एक देशव्यापी प्रेरित मानव श्रृंखला बनाना। ये पुरस्कार 10 श्रेणियों में दिए जाएंगे: महिला सशक्तिकरण, उद्यमिता (स्टार्ट-अप), शिक्षा, कृषि/ग्रामीण विकास, जन सेवा/समाज सेवा, कला व शिल्प (प्राचीन विरासत/ग्रामीण शिल्प), आजीविका/व्यावसायिक कौशल, स्वास्थ्य, आविष्कार/तकनॉलॉजी (विज्ञान से संबंधित) तथा पर्यावरण। 10 पुरस्कार व्यक्तियों को दिए जाएंगे तथा 10 पुरस्कार संगठनों को दिए जाएंगे। प्रत्येक विजेता को एक प्रमाणपत्र तथा 1 लाख रूपये का नकद पुरस्कार प्रदान किया जाएगा।

चेर्नोबिल जैसा जख्म भी नहीं रोक पाया तात्सियाना की उड़ान

29 साल बाद आज ऐसा है चेर्नोबिल

हाल ही में चेर्नोबिल मुद्दे पर लिखने वाली बेलारूस की लेखिका स्वेतलाना एलेक्सेविच को साहित्य का नोबेल मिला है। 26 अप्रैल 1986 को यूक्रेन के न्यूक्लियर प्लांट में जोरदार धमाका हुआ था। इससे रेडियोधर्मी कण हवा में फैल गए। ये कण सोवियत रूस से यूरोप तक फैल गए थे। करीब 4 हजार लोग इस हादसे में मारे गए थे। करीब साढ़े तीन लाख लोगों को पलायन करना पड़ा था। लेकिन इसका असर अभी तक खत्म नहीं हुआ है। रेडिएशन की वजह से आज भी लोग शारीरिक अक्षमता के साथ पैदा हो रहे हैं। हादसे के चार साल बाद बेलारूस में एक बच्ची पैदा हुई थी तात्सियाना। इसे देखकर ही उसके माता-पिता ने उसे अनाथ आश्रम में छोड़ दिया। लेकिन तात्सियाना ने ठान लिया था कि उसे जीना है।

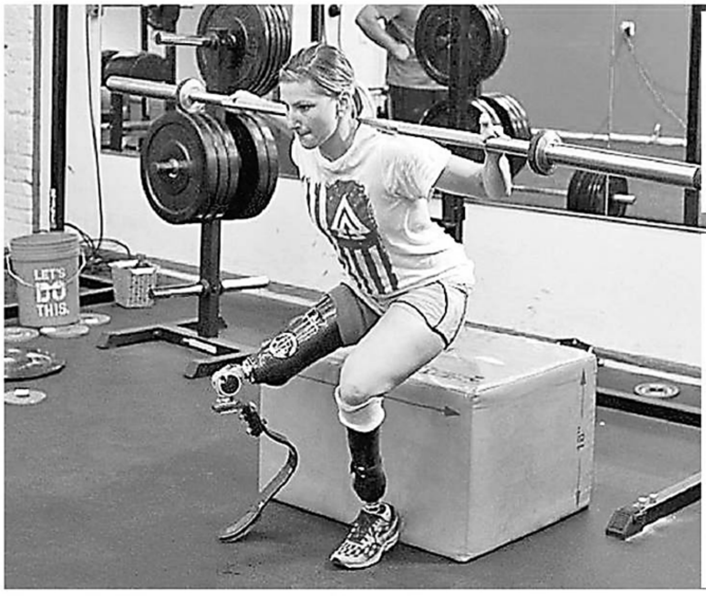

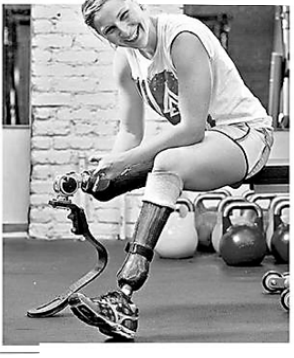

29 साल पहले चेर्नोबिल न्यूक्लियर हादसे ने सबकुछ छीन लिया। जबकि उस समय तात्सियाना झिवत्सको पैदा तक नहीं हुई थी। रेडिएशन की वजह से बिना पैरों के दुनिया में आई थी। दाएं हाथ में एक और बाएं हाथ में सिर्फ तीन अंगुलियां थी। तात्सियाना को एक परिवार ने अनाथ आश्रम से गोद ले लिया। तात्सियाना ने अपनी शारीरिक कमजोरी को कभी हावी नहीं होने दिया। जल्द ही घुटने के सहारे चलने लगी, फिर इन्हें कृत्रिम पैर लगाए गए। कृत्रिम पैरों के सहारे जिंदगी की नई उड़ान शुरू की। दौड़ना शुरू किया और मैराथन में हिस्सा लिया। हाल ही में तात्सियाना ने बॉडी बिल्डिंग में अवॉर्ड जीता है।

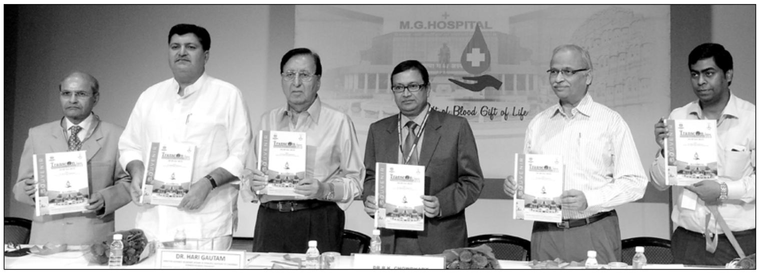

ट्रांसफ्यूजन मेडिसिन की नई तकनीक ने बनाया अंग प्रत्यारोपण को आसान

जयपुर। शहर की महात्मा गांधी यूनिवर्सिटी ऑफ मेडिकल साइंसेज एण्ड टेक्नोलॉजी तथा इंडियन सोसाइटी ऑफ ट्रांसफ्यूजन मेडिसिन - (आईएसटीएम) के सहयोग से देश भर के ट्रांसफ्यूजन मेडिसिन के चिकित्सकों की कॉन्फ्रेंस ट्रांसकॉन जयपुर 2015 का आयोजन किया गया। कॉन्फ्रेंस के उद्घाटन सत्र के मुख्य अतिथि यूनिवर्सिटी के मुख्य सलाहकार प्रोफेसर डॉ. हरि गौतम थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रो. प्रेसीडेन्ट डॉ. सुधीर सचदेव ने की। विशिष्ट अतिथि प्राचार्य डॉ. जी.एन. सक्सैना तथा आईएसटीएम के डॉ. आर. के. चौधरी थे।

उद्घाटन समारोह के मुख्य अतिथि प्रो. गौतम ने कहा रक्त का सम्बन्ध हमारे जीवन तथा रिश्तों में भी रक्त का बड़ा महत्व है। एक व्यक्ति का खून अनेक मरीजों को नई जिन्दगी दे सकता है। समय के बदलाव के साथ ट्रांसफ्यूजन मेडिसिन इन ट्रांसप्लान्टेशन के क्षेत्र में नए प्रयोग से जहां सर्जरी का प्रभाव बढा है वहीं ट्रांसफ्यूजन मेडिसिन विभाग और अधिक महत्वपूर्ण हो गया है।

कार्यक्रम के अध्यक्ष डॉ सुधीर सचदेव ने कहा कि अंग प्रत्यारोपण में ट्रांसफ्यूजन मेडिसिन एक महत्वपूर्ण भूमिका होती है। जिस तरह शरीर में प्राण वायु का संचार भी हीमोब्लोबीन के जरिये होता है उसी तरह आधुनिक मेडिसिन युग में ब्लड बैंक तथा ब्लड बैंक विशेषज्ञ उपचार में उपयोगी भूमिका निभा रहे हैं। पहले प्रत्यारोपण से जुडे टैस्ट दिल्ली भेज जाते थे जिनकी रिपोर्ट देर से मिलती थी किन्तु अब महात्मा गांधी अस्पताल में ये सुविधाएं उपलब्ध हो सकेंगी।

आयोजन समिति के अध्यक्ष व महात्मा गांधी ब्लड बैंक के प्रभारी डॉ. एच बी सक्सैना ने कहा प्लाज्मा फैरेसिस तथा इयूनो मॉड्यूलेशन के जरिये अब बिना मैचिंग के भी किडनी प्रत्यारोपण संभव हो गया है। ऐसा नहीं होने की स्थिति में बडी संख्या में किडनी रोगी इंतजार करते रहते हैं। उन्होंने बताया कि न्यूक्लिक एसिड टैस्ट पहले ग्रुप में हुआ करते थे किन्तु अब व्यक्तिगत नैट टैस्टिंग व एचएलए, फ्लोसाइटोमीट्री जैसी जांच सुविधाएं शीघ्र ही उपलब्ध हो सकेंगी। ये तकनीके विंडों पीरियड के दौरान डेंगू तथा अन्य बीमारियों की शीघ्रता से पहचान करने में सक्षम होती है।

आयोजन सचिव डॉ. आर एम जायसवाल ने बताया कि हमारे देश में स्वैच्छिक रक्तदान का आंकडा आवश्यकता से कम है। समय के साथ साथ इसमें जागरूकता बढ रही है। आवश्यकता की पूर्ति के लिए ब्लड की एक यूनिट से तीन या अधिक रोगियों को उपचार लाभ दिया जा रहा है। प्लेटलेट्स, प्लाज्मा जैसे कई उत्पाद निकाले जाते है तथा आवश्यकता के अनुरूप चढाये जाते हैं। सिंगल डोनर प्लेटलेट्स के जरिये हाल ही में डेंगू रोगियों को बडी राहत दी जा रही है। उन्होंने बताया कि कॉफेंस में डॉ. नीलम मारवाह, चंडीगढ, डॉ. कविता चटर्ती, एम्स नई दिल्ली, डॉ. सुनील राज्याध्यक्ष, मुम्बई ने भी सम्बोधित किया।

माहेश्वरी समाजोपयोगी भवन का लोकार्पण

जयपुर। माहेश्वरी समाज जोधपुर की ओर से रातानाड़ा क्षेत्र में नवनिर्मित माहेश्वरी जनोपयोगी भवन के लोकार्पण समारोह में भवन निर्माण के सहयोगियों को सम्मानित किया गया। जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी मंत्री श्रीमती किरण माहेश्वरी के साथ स्वामी अवधेशानंद गिरी एवं पूर्व गृह राज्य मंत्री स्वामी चिन्मयानन्द सरस्वती ने माहेश्वरी जनोपयोगी भवन निर्माण में सहयोग करने वालों को समाज की ओर से सम्मानित किया। माहेश्वरी समाज के मंत्री दामोदर बंग का उल्लेखनीय कार्य के लिए सम्मान किया गया। उनको 51 किलो की फूल माला पहनायी गई तथा स्मृति चिन्ह, साफा, शॉल ओढाकर अभिनंदन किया।

इस अवसर पर जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी मंत्री श्रीमती माहेश्वरी ने महेश युवा मण्डल के ब्रोशर एवं एक अन्य पोस्टर का विमोचन भी किया। समारोह में सांसद सुभाष बहेड़िया, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्याम जाजू, विधायक सूर्यकांता व्यास, कैलाश भंसाली, जोगाराम पटेल व भैराराम सियोल, केन्द्रीय ऊन बोर्ड के अध्यक्ष जसवंतसिंह विश्नोई, पूर्व मंत्री राजेन्द्र गहलोत, पूर्व विधायक जुगल काबरा सहित अनेक समाजसेवी व विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित थे। माहेश्वरी समाज के मंत्री दामोदर बंग एवं सहमंत्री हरिगोपाल राठी ने सभी का साफा, शॉल एवं प्रतीक चिन्ह प्रदान कर सम्मान किया। समारोह में विधायक सूर्यकांता व्यास, आनंद राठी, श्याम जाजू, राधेश्याम फलोद ने भी अपने विचार व्यक्त किए। प्रारंभ में माहेश्वरी समाज के मंत्री दामोदर बंग ने स्वागत भाषण में समाज की सामाजिक गतिविधियों एवं सेवा कार्यो के बारे में जानकारियां दी।

देहदान संकल्पकर्ताओं का सम्मान

उदयपुर। नारायण सेवा संस्थान के तत्वावधान में 30वें स्थापना दिवस सप्ताह के चौथे दिन लियो का गुड़ा स्थित बड़ी सेवा महातीर्थ में मृत्युपरान्त देहदान करने वाले महानुभावों का सम्मान किया गया। इस अवसर पर संस्थापक पद्मश्री कैलाश मानव का सेवा सन्देश प्रसारित किया गया। संस्थान अध्यक्ष प्रशान्त अग्रवाल ने बताया कि गणपत पीटा, निर्मल चन्द्रिका, गौतम सुखलेचा, हजा बाई सुखलेचा आदि का मेवाड़ी पगड़ी, उपरणा व दुपट्टा पहनाकर सम्मान हुआ। इस अवसर पर कल्पना जैन, सरेमल सिरोया, कमला देवी सिरोया ने मरणोपरान्त देहदान की घोषणा की। इस अवसर पर संस्थान के वरिष्ठ साधक भगवान प्रसाद गौड, राकेश शर्मा, महिम जैन व गुंजेश दीक्षित ने भी विचार व्यक्त किए।

खाखड़ी में लगे शिविर में एक हजार रोगियों का स्वास्थ्य परीक्षण

उदयपुर। नारायण सेवा संस्थान के 30वें स्थापना दिवस सप्ताह के दूसरे दिन गोगुन्दा तहसील के आदिवासी बहुल गाँव खाखड़ी में सेवा शिविर आयोजित किया गया। जिसमें एक हजार से अधिक स्त्री-पुरूषों व बच्चों के स्वास्थ्य परीक्षण सहित नि:शुल्क दवा, मक्का, वस्त्र, पोषाहार आदि का वितरण किया गया।

मुख्य अतिथि कोलकाता की श्रीमद् भागवत कथा मर्मज्ञ जया किशोरी जी ने सभी को व्यसन मुक्ति की शपथ दिलाई एवं माताओं को अनुरोध किया कि वे बच्चों को स्कूल भेजे। स्कूली बच्चों ने इस अवसर पर समवेत स्वर से घर-घर अलख जगाएंगे, बदलेंगे जमाना गीत की प्रस्तुति दी। शिविर का शुभारम्भ संस्थान संस्थापक कैलाश मानव के सानिध्य में हुआ। विशिष्ट अतिथि शिवशंकर शर्मा, श्रीमती वन्दना अग्रवाल व देवेन्द्र चौबीसा थे। शिविर प्रभारी जगदीश आर्य ने अतिथियों का स्वागत करते हुए सन् 1985 से अब तक की संस्थान सेवा यात्रा पर प्रकाश डाला। हॉस्पीटल व दर्शन डेन्टल कॉलेज के डॉक्टरों ने स्वास्थ्य परीक्षण किया।

होनहार विद्यार्थियों का हुआ सम्मान

चिड़ावा। कस्बें के चिड़ावा कॉलेज में बुधवार को मेरिट छात्रवृत्ति वितरण कार्यक्रम का आयोजन सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रम के मुख्य अतिथि चिड़ावा कॉलेज प्रबंध समिति के उपाध्यक्ष आर के सोमानी थे। अध्यक्षता प्राचार्या डॉ ऋचा कुलश्रेष्ठ ने कि तथा विशिष्ट अतिथि के रूप में कॉलेज प्रबंध समिति के सचिव एके मोहन्ती उपस्थित थे। कार्यक्रम का शुभारम्भ दीप प्रज्जवलन के साथ हुआ। इस अवसर पर अपने सम्बोधन में मुख्य अतिथि सोमानी ने विद्यार्थियों को व्यावसायिक शिक्षा में आगे बढने का आह्वान किया। कॉलेज प्राचार्या कुलश्रेष्ठ ने महाविद्यालय की उपलब्धियों पर प्रकाश डाला। इस मौके पर अस्सी प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त करने वाले महाविद्यालय के छात्र-छात्राओं मनीष जांगिड़, पूजा जांगिड़, सुनीता, रेणुका वर्मा व मनीषा चौधरी को 5100 रूपयें का चैक व प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में महाविद्यालय की छात्र-छात्राओं ने रंगारंग कार्यक्रम की प्रस्तुतियां दी। अंत में डॉ राजेन्द्र अवाना ने आभार व्यक्त किया। संचालन केएल लाठ व खुशबु सहल ने किया। इस मौके पर महाविद्यालय स्टॉफ सदस्य व छात्र-छात्राऐं उपस्थित थे।

हाथों की लकीरों पर कभी यकीन मत करना क्योंकि तकदीर तो उनकी भी होती है जिनके हाथ नहीं होते

एशिया ब्लांइड क्रिकेट कप से हटा पाक

कराची। भारत में पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) अध्यक्ष शहरयार खान के विरोध का असर दिखाई देने लगा है जिसके बाद पाकिस्तान ने भारत की मेजबानी में अगले वर्ष 17 से 24 जनवरी तक होने वाले नेत्रहीन एशिया कप क्रिकेट टूर्नामेंट से अपना नाम वापिस ले लिया है।

पाकिस्तान ब्लाइंड क्रिकेट काउंसिल (पीबीसीसी) ने एशिया कप से अपना नाम वापिस ले लिया। पाकिस्तान ने इसके लिये भारत और पाकिस्तान के मौजूदा तनावपूर्ण रिश्तों और पाकिस्तानी नागरिकों के भारत में सुरक्षा के मसले को वजह बताया है।

पीबीसीसी के महाप्रबंधक संचालन मेहर एम यूसुफ हारून ने एक विज्ञप्ति जारी कर इसकी घोषणा की। उन्होंने कहा कि शिवसेना के बीसीसीआई मुख्यालय पर हमले, शहरयार के साथ बीसीसीआई अध्यक्ष शशांक मनोहर की बैठक को रद्द करना, मुंबई में अलीम डार के मैच में अंपायरिंग करने पर धमकी और फिर आईसीसी का उन्हें वापिस स्वदेश भेजने का निर्णय करना साफ करता है कि पाकिस्तानी टीम को भारत में सुरक्षा का खतरा है।

हारून ने साथ ही कहा कि भारत में कोच्चि में होने वाले नेत्रहीन क्रिकेट टूर्नामेंट के लिये पाकिस्तानी टीम ने अपनी तैयारियां शुरू कर दी थीं और इसके लिये पाकिस्तानी टीम में खिलाड़ियों तक का चयन कर लिया गया था। लेकिन मौजूदा परिस्थितियों में यह संभव नहीं है कि पाकिस्तानी टीम को भारत भेजा जाए।

उन्होंने बताया कि पीबीसीसी ने आधिकारिक तौर पर भारतीय नेत्रहीन क्रिकेट संघ (सीएबीआई) को इसकी जानकारी दे दी है कि पाकिस्तान इस टूर्नामेंट से हट रहा है। पाकिस्तान ने यह कदम ऐसे समय उठाया है जब दिसंबर में प्रस्तावित भारत और पाकिस्तान की द्विपक्षीय क्रिकेट सीरीज पर चर्चा के लिये भारत आए पीसीबी अध्यक्ष शहरयार को विरोध झेलना पड़ा। इसके अलावा भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड से भी शहरयार को निराशा हाथ लगी।

शहरयार ने स्वदेश लौटने से पहले भी कहा था कि उन्हें फिलहाल भारत और पाकिस्तान के बीच सीरीज की संभावना दिखाई नहीं दे रही है क्योंकि भारतीय बोर्ड का रूख इसे लेकर सकारात्मक नहीं है। इससे पहले शिवसेना ने बीसीसीआई के मुख्यालय में घुसकर अध्यक्ष मनोहर से शहरयार से बातचीत नहीं करने की धमकी दी थी जिससे दोनों बोर्ड अध्यक्षों के बीच वार्ता नहीं हो पाई थी।

उल्लेखनीय है कि इससे पहले पाकिस्तान ने अगले वर्ष भारत की मेजबानी में होने वाले आईसीसी ट्वंटी 20 विश्वकप से भी हटने की धमकी दी थी। हालांकि बाद में शहरयार ने भारत में पत्रकारों से कहा था कि उन्होंने बहिष्कार शब्द का इस्तेमाल नहीं किया है। लेकिन नेत्रहीन क्रिकेट टूर्नामेंट से हटने को पाकिस्तान के विरोध के पहले कदम के रूप में देखा जा सकता है।

पाकिस्तान के टूर्नामेंट से हटने से आयोजक निराश

कोच्चि। केरल नेत्रहीन क्रिकेट संघ ने भारत में आयोजित होने वाले एशिया कप टूर्नामेंट से पाकिस्तानी टीम के हटने पर निराशा जताते हुये आश्वासन दिया है यदि पड़ोसी मुल्क टूर्नामेंट में हिस्सा लेता है तो उनकी सुरक्षा का पूरा ध्यान रखा जाएगा।

केरल क्रिकेट संघ ने कहा कि उन्हें उम्मीद है कि पाकिस्तान टूर्नामेंट में अभी भी हिस्सा ले सकता है और यदि ऐसा होता है तो सरकार टीम की सुरक्षा का पूरा ध्यान रखेगी। संघ ने कहा कि वह इस बात से बहुत निराश हैं कि पाकिस्तान ने नेत्रहीन एशिया कप से हटने का फैसला किया है लेकिन उन्हें अभी भी उम्मीद हे कि पाकिस्तान अगले वर्ष होने वाले इस टूर्नामेंट में खेलने को लेकर विचार कर सकता है।

उन्होंने कहा कि यदि पाकिस्तान एशिया कप के लिये भारत दौरे पर आता है तो मेहमान टीम की सुरक्षा पूरी तरह सुनिश्चित की जाएगी। संघ ने पुष्टि की है कि पाकिस्तान नेत्रहीन क्रिकेट परिषद (पीबीसीसी) ने पत्र लिखकर टूर्नामेंट आयोजकों को इससे हटने का निर्णय किया है।

उल्लेखनीय है कि पीबीसीसी ने भारत और पाकिस्तान के मौजूदा तनावपूर्ण रिश्तों और पाकिस्तानी नागरिकों के भारत में सुरक्षा के मसले को वजह बताते हुये एशिया कप से हटने की घोषणा की थी। पीबीसीसी के महाप्रबंधक संचालन मेहर एम यूसुफ हारून ने पाकिस्तानी टीम को भारत में सुरक्षा का खतरा बताया था।

आखिर 26 तारीख को ही क्यों आते हैं भूकम्प

लखनऊ। इसे महज संयोग कहें या कुछ और कि दुनिया में बडे विनाशकारी भूकम्प ज्यादातर 26 तारीख को ही आये हैं। अफगानिस्तान, पाकिस्तान और भारत के कुछ हिस्सों में आज 26 तारीख को ही भूकम्प आया। चीन में 26 जुलाई 1976, गुजरात में 26 जनवरी 2011 और हिन्द महासागर में 26 दिसम्बर 2004 को सुनामी आया था जिसने भारी तबाही मचायी थी। ताइवान में 26 जुलाई 2010 और जापान में 26 फरवरी 2010 में आये भूकम्प ने सैकडों जाने ले ली थी। नेपाल में भी 26 तारीख को भूकम्प आया। इस साल 26 अप्रैल को आये भूकम्प ने नेपाल को तबाह कर दिया है। भूकम्प के इतिहास पर नजर डालें तो 26 जून 1926 में रोड्स भूकम्प आया था जबकि 26 जनवरी 1700 में उत्तरी अमेरिका में आये भूकम्प में सैकडों लोग मारे गये थे। ईरान के बैम में 26 दिसम्बर 2003 को आये विनाशकारी भूकम्प ने करीब 60 हजार लोगों को मौत की नींद सुला दिया था। यूगोस्लाविया में 26 जुलाई 1963 में भूकम्प और मेस्पी ज्वालामुखी विस्फोट 26 अक्टूबर 2010 को हुआ था। सबा में ज्वारी लहरों की वजह से 26 दिसम्बर 1996 को एक हजार से अधिक लोग काल के गाल में समा गये थे। 26 दिसम्बर 1939 को तुर्की में आये विनाशकारी भूकम्प ने करीब 41 हजार लोगों को अपने आगोश में ले लिया था।

राजस्थान के झाझड़िया ने जीता रजत पदक

विश्व एथलेटिक्स : भाला फेंक में 59.06 की दूरी नापकर दूसरे स्थान पर रहे पैरा एथलीट

खेल संवाददाता | जयपुर

राजस्थान के पैरा एथलीट देवेंद्र झाझड़िया ने दोहा में आईपीसी विश्व एथलेटिक्स में भाला फेंक स्पर्धा का रजत पदक जीत लिया है। झाझड़िया ने 59.06 मीटर की दूरी तय की। इस पदक के साथ झाझड़िया ने रियो पैरालिंपिक खेलों के लिए भी क्वालिफाई कर लिया है।

स्वर्ण पदक चीन के ग्वाओ च्यूनलिंग ने जीता। उन्होंने 61.89 मीटर की दूरी नापी। कांस्य पदक ईरान के मिर शेखरी (53.85 मीटर) के नाम रहा।

भारत का पहला पदक

इन खेलों में यह भारत का पहला पदक है। भारत की 15 सदस्यीय टीम इन खेलों में भाग लेने के लिए पहुची है।

दोहरा पदक जीतने वाले पहले भारतीय

झाझड़िया इस चैंपियनशिप में दोहरा पदक जीतने वाले पहले भारतीय हैं। उन्होंने 2013 में लियोन (फ्रांस) में स्वर्ण पदक जीता था। इसके अलावा झाझड़िया 2009 के विश्व खेलों में स्वर्ण तथा 2007 में रजत पदक भी जीत चुके हैं। 2014 के पैरा एशियन खेलों में रजत पदक हासिल किया था।

मंत्री के नाम पांच सूत्री मांग पत्र सौंपा

अन्ता। राष्ट्रीय विकलांग पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष आफाक अहमद खान ने केन्द्रीय सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री के नाम एक पांच सूत्री मांग पत्र जिला कलक्टर को सौंपा।

ज्ञापन में लम्बित नि:शक्तजन एक्ट 2012 को पारित कराए जाने, सेरेब्रल पाल्सी ट्रीटमेंट सेन्टर राजस्थान में खोले जाने, सरकारी नौकरी में पाँच प्रतिशत आरक्षण किए जाने, नि:शक्तजनों के ट्रांसफर और नियुक्ति इच्छित स्थान पर किए जाने तथा रेलवे कन्शेसन आई कार्ड जिला स्तर पर बनाए जाने की माँग की गई है।

सेडी के विद्यार्थियों ने निकाली पर्यावरण जागरूकता रैली

चिड़ावा। स्किल व एंटरप्राइजेज डवलपमेंट इंस्टीट्यूट (सेडी) के प्रशिक्षणार्थियों ने शहर के प्रमुख मार्गो से पर्यावरण जागरूकता रैली निकाली। रैली को अंबुजा सीमेंट फाउंडेशन चिड़ावा के प्रोग्राम मैनेजर अनिल गुप्ता ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। गुप्ता ने बताया कि रैली के माध्यम से प्रशिक्षणार्थियों ने दीपावली के त्यौहार पर पटाखे फोड़ने से होने वाले पर्यावरण के नुकसान से लोगों को अवगत कराया। इस दौरान स्टाफ के सभी सदस्य मौजूद रहे।